संगीत - तबला में स्नातक(बी0ए0)

<u>उद्देश्य</u> - इस पाठ्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों को संगीत का प्रारम्भिक ज्ञान(सैद्धांतिक एवं प्रयोगत्मक पक्ष) देकर उनमें शास्त्रीय संगीत के ज्ञान की नींव डालना है।

प्रथम सेमेस्टर कोर कोर्स का पाठ्यक्रम

क्र0 सं0	कोर्स शीर्षक	कोर्स कोड	अंक	श्रेयांक
1.	**भारतीय संगीत का परिचय I- तबला एवं प्रयोगात्मक**	**BAMT(N)-101**	**100**	**4**
प्रथम खण्ड	**भारतीय संगीत का परिचय I - तबला**		**50**	**2**
	इकाई 1 - भारतीय संगीत की अवधारणा।			
	इकाई 2 - परिभाषा (श्रुति, स्वर, सप्तक, वर्ण , अलंकार, राग, आलाप, लय, लयकारी, मात्रा, ताल, ठेका, आवर्तन, सम, ताली, खाली व विभाग)।			
	इकाई 3 - तबले की उत्पत्ति, विकास, संरचना एवं वर्ण |			
	इकाई 4 - परिभाषा (उठान, मुखड़ा, पेशकार, कायदा, पलटा, तिहाई, टुकड़ा व रेला) उदाहरण सहित।			
	इकाई 5 - संगीतज्ञों का जीवन परिचय (पं0 वी0एन0 भातखंडे, पं0 वी0 डी0 पलुस्कर व सदारंग-अदारंग) |			
	इकाई 6 - भातखंडे ताललिपि पद्धति का परिचय ; पाठयक्रम की तालों तीनताल, चारताल एवं दादरा ताल के ठेके एवं उनको दुगुन एवं चौगुन लयकारी सहित लिपिबद्ध करना।			
	इकाई 7 - पाठ्यक्रम की तालों तीनताल, चारताल एवं दादरा ताल में तबले/पखावज की रचनाओं (पाठ्यक्रमानुसार) को लिपिबद्ध करना।			
द्वितीय खण्ड	**प्रयोगात्मक**		**50**	**2**
	इकाई 8 - तबले के वर्णों एवं बोलों की वादन विधि|			
	इकाई 9 - तीनताल में एकल वादन।*			
	इकाई 10 - चारताल में टुकड़े, परन, चक्करदार व तिहाई।			
	इकाई 11 - दादरा ताल का ज्ञान।			
	इकाई **12** - पाठ्यक्रम की तालों तीनताल, चारताल एवं दादरा ताल की पढन्त।			
	इकाई **13** - पाठ्यक्रम के तालों तीनताल, चारताल एवं दादरा ताल के ठेकों को दुगुन व चौगुन लयकारी में पढ़ना।			
	इकाई **14** - पाठ्यक्रम सम्बन्धित मौखिक परीक्षा।			
	*** एकल वादन - उठान/मुखड़ा, एक पेशकार (तीन पलटों व तिहाई सहित), एक कायदा(तीन पलटों व तिहाई सहित), एक रेला (तीन पलटों व तिहाई सहित), दो सादे टुकड़े, एक चक्करदार टुकडा एवं तिहाई।**			
ताल - तीनताल, चारताल व दादरा				